a2zpapers.com

Exam. Code : 108005
Subject Code : 2568

B.A. (Hons.) 5th Semester

HINDI

(Bhagti and Samkalin Kavya)

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— प्रश्न-पत्र **तीन** भागों में विभक्त हैं। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—क

निम्नलिखित **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं : 10×2=20

1. 'भगत सिंह जिन्दा है' कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें।
2. तुलसी की भक्ति भावना पर संक्षिप्त नोट लिखें।
3. रसखान ने प्रेम के किस स्वरूप को उभारा है ?
4. हरमहेन्द्र सिंह बेदी के कृतित्व पर नोट लिखें।
5. 'जंगल और शहर के बीच' कविता का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।
6. तुलसीदास भक्ति की किस काव्यधारा के कवि हैं ? स्पष्ट करें।
7. रसखान के काव्य की दो विशेषताएं बताऐं।
8. मोहन सपरा की कविताओं के शीर्षकों के नाम लिखें।
9. 'तुम कहते हो – प्रेम' शीर्षक को स्पष्ट करें।
10. 'अपराध अगाध भए जन तें, अपने उर आनत नाहिंन जू।
    गनिका गज गोध अजामिल के, गनि पातक-पुंज सिराहिं न जू।।'
    — पक्तियों का आशय स्पष्ट करें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

भाग—ख

नोट :— यह भाग **दो** उपभागों में विभक्त है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपभाग—I

निम्नलिखित पद्यांशों में किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 4×6=24

1. लोक की लाज तजी तबहीं जब देख्यो सखी ब्रजचन्द सलोनो।
खंजन मीन सरोजन की छवि गंजन नैन लला दिनहोनो।।
रसखान निहारि सके जु सम्हारि कै को तिय है वह रूप सुठोनो।
भौंह कमान सों (जोहन) कों सब बेधत प्राननि नन्द को छौनो।।

2. अंगनि अंग मिलाय दोऊ रसखानि रहे लपटे तरु छाँही।
संग निसंग अनंग को रंग सुरंग सनी पिय दै गल बाँही।।
बैन ज्यौं मैन सु ऐन सनेह को लूट रहे रति अन्तर जाही।
नीबी गहै कुच कंचन कुंभ कहै बनिता पिय नाहीं जू ना नाही।।

3. हम कुछ नहीं कर पाए
बस, आँखें तपती रहीं
अभाव नदियों में सरसराता रहा दिन-रात
हँसते-खिलखिलाते-मुहँ चिढ़ाते रहे और हम मौन।
बरगद पिता भी मौन

4. इससे पहले कि इतिहास बने निर्माण
और गुमशुदा मुर्तियां
पहुंचे सुरक्षित संग्रहालयों में अपने आप।
जुलूसी भीड़ का हंगामा
बने ऐतिहासिक दस्तावेज,
तुम सब हथियार उल्टे कर
पहुँच जाओ
क्लाक घरों में।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

5. तेरे बेसाहे बेसाहत औरनि, और वेसाहि कै बेचनहारे।
ब्योम रसातल भूमि भरे, नृप कूर कुसाहिब सेंतिहुँ खारे।।
तुलसी तेहि सेवत कौग मरे, रजतैं लघु को करे मेरु के भारे।
स्वामी सुसील समर्त्थ सुजान, सो तोसों तुहीं दसरत्थ दुलारे।।

6. आगे परे पाहन कृपा: किरात, कोलनी, कपीस निसिचर अपनाए नाये माथ जू।
साँची सेवकाई हनुमान की सुजान राय, ऋनियों कहाये हौ बिकाने हाथ जू।।
तुलसी से खोटे खरे होत ओट नाम ही की, तेजी माटी मगहू की मृगमद साथ जू।
बात चले बात को न मानिबो बिलागि, बलि, काकी सेवा रीझि कै नेवाजो रघुनाथ जू।।

उपभाग—II

निम्नलिखित छः प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दें। 4×6=24

1. 'मुझे कैसे रोकोगे' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट करें।
2. रसखान के काव्य के भाव-पक्ष की विशेषताएं लिखें।
3. 'तुम कहते हो-प्रेम' कविता में प्रेम के स्वरूप को स्पष्ट करें।
4. रसखान के काव्य में कृष्ण में बाह्य व्यक्तित्व को किस प्रकार उभारा गया है ?
5. 'आखिर सुबह कब होगी' कविता का आशय स्पष्ट करें।
6. 'कच्ची दीवारों की टुटन
ठंडे चूल्हों की राख
तुम्हें जीने नहीं देती थी।'
— पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

भाग—ग

नोट :— निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दें। 16×2=32

1. तुलसीदास के काव्य के काव्य सौष्ठव पर सोदाहरण चर्चा करें।
2. रसखान के प्रेम दर्शन पर चर्चा करते हुए कला पक्ष को उद्घाटित करें।
3. हरमहेन्द्र सिंह बेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन करें।
4. समकालीन काव्य में मोहन सपरा के योगदान को विस्तारपूर्वक लिखें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab